भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4329 का उत्तर

तालचेर-बिमलगढ़ रेलवे लाइन

4329. श्री रुद्र नारायण पाणी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या निर्माणाधीन तालचेर-बिमलगढ़ रेल लाइन परियोजना का कार्य बहुत धीमी गति से चल रहा है;
(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) उक्त विलंब की समस्या से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं; और
(घ) उक्त परियोजना के कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): तालचेर-बिमलगढ़ (150 कि.मी.) नई लाइन एक स्वीकृत कार्य है। परियोजना की नवीनतम स्वीकृत लागत 1928 करोड़ रुपए है। रेलवे ने उपलब्ध भूमि पर कार्य शुरू कर दिया है। अब तक 34 किलोमीटर खंड (तालचेर-पराबिल) को कमीशन कर दिया गया है।

पराबिल-पलाहरहा (43 कि.मी.) और बिमलगढ़-महुलडीहा (32 कि.मी.) खंडों में राज्य सरकार द्वारा आवश्यक भूमि सौंप दी गई है। इन खंडों में कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके

अलावा, राज्य सरकार द्वारा शेष खंड अर्थात पलाहरहा-महुलडीहा (41 कि.मी.) में भूमि अधिग्रहण शुरू कर दिया गया है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, ओडिशा राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 54,434 करोड़ रुपए लागत की 4,017 कि.मी. कुल लंबाई की 40 परियोजनाएं (13 नई लाइनें, 1 आमान परिवर्तन और 26 दोहरीकरण) योजना निर्माण/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 1,100 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और इस पर मार्च, 2024 तक 22,833 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। इसका सार इस प्रकार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइनें	13	1422	183	5090
आमान परिवर्तन	01	159	90	184
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	26	2436	827	17559
कुल	40	4,017	1,100	22,833

ओडिशा राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	838 करोड़ रु./वर्ष
2025-26	10,599 करोड़ रु. (12 गुना से अधिक)

sk

वर्ष 2009-14 और 2014-24 के दौरान ओडिशा राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा इस प्रकार है:

अवधि	कमीशन किए गए गए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	267 कि.मी.	53.4 कि.मी.
2014-24	1827 कि.मी.	182.7 कि.मी. (3 गुना से अधिक)

किसी रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृति, लागत भागीदारी परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा अपना हिस्सा जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल में कानून-व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण परियोजना स्थल विशेष पर वर्ष के दौरान कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

******